

सं ई 11021/1/2020-हिन्दी /306-406

भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
(हिन्दी अनुभाग)

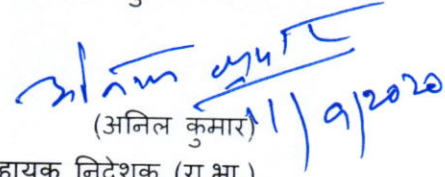
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग,
नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर, 2020

परिपत्र

विषय:- हिन्दी पखवाड़ा, 2020 के अवसर पर कैबिनेट सचिव, भारत सरकार व सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग) की ओर से जारी संदेश और अपील ।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय में दिनांक 14.09.2020 से 28.09.2020 तक आयोजित किए जाने वाले **हिन्दी पखवाड़े** के अवसर पर कैबिनेट सचिव, भारत सरकार व सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग) की ओर से जारी संदेश और अपील जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए इस परिपत्र के साथ संलग्न है ।

2. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के सभी संगठनों के अध्यक्षों/प्रमुखों से अनुरोध है कि वे इन संदेशों व अपील के महत्व को ध्यान में रखते हुए इनमें निहित तथ्यों एवं भावनाओं को अपने संगठन में कार्यरत समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंचाएं । उनसे यह भी अनुरोध है कि अपने कार्यालयों से प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं में भी उपर्युक्त संदेशों और अपील प्रकाशित की जाए ।


(अनिल कुमार)

सहायक निदेशक (रा.भा.)

दूरभाष : 23719033

संलग्नक- यथोपरि

सेवा में-

1. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के सभी अधिकारी/सभी अनुभाग/डेस्क एकक
2. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के समस्त संगठनों के अध्यक्ष/प्रमुख ।

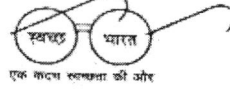
प्रति सूचनार्थ

1. जल शक्ति मंत्री जी के निजी सचिव ।
2. जल शक्ति राज्य मंत्री जी के निजी सचिव ।
3. सचिव, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के निजी सचिव ।
4. अपर सचिव, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के निजी सचिव ।
5. संयुक्त सचिव (प्रशा.)/संयुक्त सचिव (जीडब्ल्यू एवं आईसी)/संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार/ आर्थिक सलाहकार एवं राजभाषा प्रभारी के निजी सचिव ।

राजीव गौबा
Rajiv Gauba



सत्यमेव जयते



मंत्रिमंडल सचिव
भारत सरकार
CABINET SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

हिंदी आज जन-जन की भाषा बन चुकी है। हमारे देश के अधिकांश भूभाग पर बोली जाने वाली हिंदी अब केवल राजभाषा एवं संपर्क भाषा ही नहीं है बल्कि वह विश्वभाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिंदी भाषा के इसी स्वरूप एवं राष्ट्र निर्माण में हिंदी के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए हमारी संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था। इसी दिन से हम प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाते हैं।

सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग पहले की तुलना में अब काफी बढ़ रहा है। फिर भी हमें इसके उत्तरोत्तर प्रयोग को और अधिक बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि उच्च अधिकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग के लिए उत्साहवर्धक एवं अनुकूल वातावरण बनाएं तथा सरकारी कार्यों में हिंदी में मूल लेखन को प्रोत्साहित करें। अधिकारी/कर्मचारी टिप्पणियां एवं मसौदे इत्यादि मूल रूप से हिंदी में तैयार करने एवं हिंदी में पत्राचार को बढ़ाने का प्रयास करें। साथ ही हम अपने सरकारी कार्यों में सहज एवं सरल हिंदी के प्रयोग पर भी बल दें।

आइए, "हिंदी दिवस" के इस पावन अवसर पर हम पुनः सरकारी कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए स्वयं को समर्पित करें।

जय हिंद ।

14 सितंबर, 2020

(राजीव गौबा)